माघ शुक्ल पक्ष, तृतीया
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

सोमवार, 12 फरवरी 2024
वर्ष 5, अंक 86, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार
बरेली
एक सम्पूर्ण अखबार

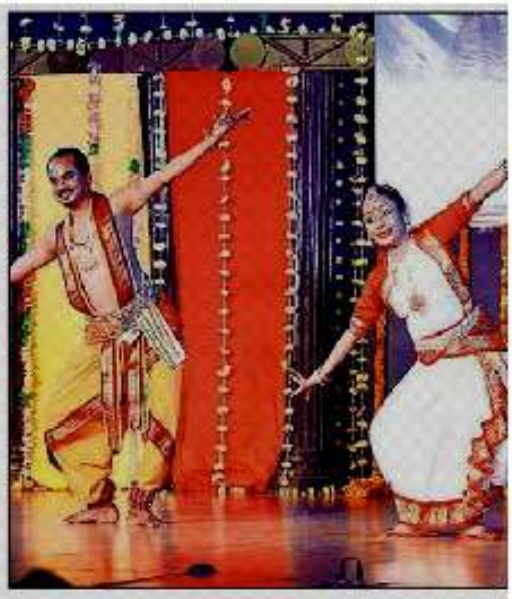

रिद्धिमा में तमिलनाडु देवदासी नृत्य को भरतनाट्यम के माध्यम से प्रस्तुत करते कलाकार।

भरतनाट्यम के जरिए देवदासी संस्कृति को किया प्रदर्शित

बरेली, अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को तमिलनाडु के देवदासी नृत्य को भरतनाट्यम के जरिए प्रदर्शित किया गया। भरतनाट्यम के विद्यार्थियों मे आद्या कबरा, भाव्या विंदल, काव्या रस्तोगी, सताक्षी, मायराश्री, पारया, आर्या गुप्ता, संस्कृति और चिरान्य गौतम ने विभिन्न भावों का मनमोहक प्रदर्शन किया। भरतनाट्यम गुरु अंबाली प्रहराज और रोबिन ए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए मंच पर आए।

दोनों ने मीरा के भजनों और भरतनाट्यम नृत्य की तिल्लाना विधा को प्रदर्शित किया। गायन की विद्यार्थी डॉ. वंदना दुग्गल ने आवाज के जरिए कार्यक्रम मे अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सूर्यकांत चौधरी ने (वायलिन), सुमन विश्वास ने (मृदंगम) के माध्यम से साथ निभाया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, उषा गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ.रीता शर्मा मौजूद रहीं।